PRE-BOARD EXAMINATION (2025-26)

CLASS:X

SUBJECT: HINDI (002)

Comprehensive Assessment Feedback

विस्तृत आकलन प्रतिपुष्टि

समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) इस प्रश्न पत्र में कुल चार खंड हैं- क, ख, ग और घ।

(ii) इस प्रश्न पत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(iii) प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

(iv) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।

खंड - 'क' (अपठित बोध)

प्रश्न 1.निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(1+1+1+2+2 = 7 अंक)**

शिशु में स्वावलंबन के भाव को जागृत करना अत्यंत आवश्यक है। पराश्रित रहने की आदत से व्यक्ति अपंग हो जाता है। जो स्वयं अपनी छोटी-मोटी आवश्यकताओं के लिए दूसरों पर आश्रित रहेगा, वह दूसरों के हित के लिए क्या कर सकेगा? स्वावलंबन का गुण शिशु में स्वतः ही नहीं आ जाता, इसके लिए सुनियोजित शिक्षा-पद्धति अपरिहार्य है। शिशु को यदि हम राष्ट्र की अमूल्य निधि के रूप में देखना चाहते हैं, तो उसे एक ऐसा आदर्श वातावरण प्रदान करना पड़ेगा, जिसमें निर्बाध गति से उसका चहुँमुखी विकास हो सके। स्वच्छ, शांत, भयमुक्त और स्वस्थ वातावरण में ही शिशु की कोमल भावनाएँ सुरक्षित रह सकती हैं। शिशु की सुकोमल भावनाओं को आघात पहुँचाना सामाजिक अपराध है। राष्ट्र का यह पुनीत कर्तव्य है कि वह प्रत्येक बालक को ऐसा वातावरण उपलब्ध कराए कि उसमें हीन भावना पनप न पाए। हीन भावना से ग्रसित शिशु बड़ा होने पर समाज के प्रति अपने कर्तव्य का सही रूप में निर्वाह नहीं कर सकता। यही उपयुक्त अवस्था है, जिसमें हम बच्चे को संकीर्णता से उबार सकते हैं। उसके अंदर से 'मेरे' और 'अपने' के भाव को हटाकर 'हमारा' और 'हमारी' के भाव पैदा करना ज़रूरी है। हमारी शिक्षा, हमारा समाज, हमारा गाँव, हमारा देश आदि भाव जागने से सोचने-समझने और काम करने के दृष्टिकोण में व्यापकता आ जाएगी। इससे शिशु में आध्यात्मिक चेतना भी जागेगी, उसका संबंध पूर्वजों से और देश की मिट्टी से भी जुड़ेगा और उसके अंतःकरण का विकास होगा। इसी से शिशु घर का दीप और विश्व का दिवाकर बनेगा।

भाग	प्रश्न	उत्तर	कारण
क	शिशु में स्वावलंबन का विकास किस प्रकार संभव है? (i) माता-पिता के आदेश से (ii) शिक्षा व सही वातावरण से (iii) दूसरों पर निर्भर होने से (iv) खेल-कूद में समय देने से	(ii) शिक्षा व सही वातावरण से	विकल्प (ii) सही है क्योंकि गद्यांश स्पष्ट करता है कि शिशु में स्वावलंबन का गुण स्वतः नहीं आता; इसके लिए एक सुनियोजित शिक्षा पद्धति और आदर्श वातावरण अनिवार्य है। विकल्प- (i), (iii) और (iv) गलत हैं क्योंकि केवल आदेश से गुण नहीं पनपते, दूसरों पर निर्भरता स्वावलंबन के विपरीत है, और खेल-कूद सहायक तो है पर गद्यांश में मुख्य आधार 'शिक्षा' ही बताया गया है।
ख.	शिशु के भीतर हीन भावना पनपने का क्या प्रभाव पड़ सकता है? उचित विकल्प का चयन करें- (I) वह दूसरों की सहायता करने में स्वतंत्र और सक्रिय बन जाएगा (II) आत्मनिर्भर बनने की प्रवृत्ति बढ़ेगी, अन्य गुण प्रभावित नहीं होंगे (III) शारीरिक विकास बाधित व मानसिक विकास अधिक हो जाएगा (IV) समाज के प्रति जिम्मेदारियों का निर्वाह करना कठिन हो जाएगा विकल्प - (i) कथन (I) और (II) सही है। (ii) केवल कथन (IV) सही है। (iii) कथन (I) और (III) सही है। (iv) कथन (I), (II) और (IV) सही है।	(ii) केवल कथन (IV) सही है।	विकल्प (ii) सही है क्योंकि गद्यांश के अनुसार, हीन भावना से ग्रस्त शिशु बड़ा होने पर समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वाह ठीक से नहीं कर पाता है। कथन (I), (II), (III) गलत हैं क्योंकि हीन भावना व्यक्ति को सक्रिय या आत्मनिर्भर नहीं बनाती, बल्कि उसके मानसिक विकास और आत्मविश्वास को चोट पहुँचाती है। इसलिए अन्य विकल्प अनुचित हैं।

ग.	कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए- कथन : हीन भावना से मुक्त शिशु घर का दीप और विश्व का दिवाकर बन सकता है। कारण : सही परिवेश व चहुँमुखी विकास शिशु को इस योग्य बनाता है कि वह देश-दुनिया को समृद्ध कर सके। विकल्प - (i) कथन और कारण दोनों सही हैं, और कारण कथन की सही व्याख्या है। (ii) कथन व कारण दोनों सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है। (iii) कथन गलत है, लेकिन कारण सही है। (iv) कथन सही है, लेकिन कारण गलत है।	(i) कथन और कारण दोनों सही हैं, और कारण कथन की सही व्याख्या है।	विकल्प (i) सही है क्योंकि गद्यांश के अनुसार सही परिवेश और चहुँमुखी विकास ही शिशु को इस योग्य बनाता है कि वह हीन भावना से मुक्त होकर "विश्व का दिवाकर" (सूरज) बन सके। विकल्प- (ii), (iii) और (iv) गलत हैं क्योंकि कथन और कारण के बीच सीधा कार्यात्मक संबंध है; चहुँमुखी विकास ही हीन भावना को मिटाने का एकमात्र तरीका है।
घ.	गद्यांश के अनुसार शिशु के लिए किस प्रकार का वातावरण आवश्यक है और क्यों?	<u>वातावरण प्रकार-</u> स्वच्छ, शांत, भयमुक्त, सुनियोजित शिक्षापूर्ण और स्वस्थ वातावरण। <u>कारण-</u> चहुँमुखी विकास, कोमल भावनाएँ सुरक्षित रहें, हीन भावना न पनपे। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	ऐसा वातावरण शिशु की कोमल भावनाओं को सुरक्षित रखने और उसके चहुँमुखी विकास के लिए आवश्यक है ताकि उसमें हीन भावना न पनपे। यह विवरणात्मक प्रश्न है; अन्य प्रकार के वातावरण (जैसे कोलाहलपूर्ण या तनावपूर्ण) विकास में बाधक होते हैं।
ङ.	गद्यांश के आधार पर समझाइए कि 'मेरे' और 'अपने' का भाव हटाकर 'हमारा' और 'हमारी' भाव विकसित करना क्यों ज़रूरी है?	• संकीर्णता से मुक्ति • एकता की भावना का विकास • दृष्टिकोण में व्यापकता	'मेरे' और 'अपने' के भाव को हटाकर 'हमारा' और 'हमारी' का भाव विकसित करने से शिशु में एकता की भावना जागती है और उसका संबंध देश की मिट्टी से जुड़ता है।

		• आध्यात्मिक चेतना जागरण • समाज और देश से जुड़ाव • अंतःकरण का विकास (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	संकीर्ण ('मेरा-अपना') सोच रखने से शिशु का मानसिक विकास सीमित रह जाता है और वह राष्ट्र की निधि नहीं बन पाता।

प्रश्न 2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-
(1+1+1+2+2 = 7 अंक)

पहले से कुछ लिखा भाग्य में, मनुज नहीं लाया है,
अपना सुख उसने अपने, भुजबल से ही पाया है।
प्रकृति नहीं डर कर झुकती है, कभी भाग्य के बल से,
सदा हारती वह मनुष्य के, उद्यम से, श्रमजल से।
ब्रह्म का अभिलेख-पढ़ा करते निरुद्यमी प्राणी
धोते वीर कु-अंक भाल का, बहा भ्रुवों से पानी।
भाग्यवाद आवरण पाप का, और शस्त्र शोषण का,
जिससे रखता दबा एक जन, भाग दूसरे जन का।
पूछो किसी भाग्यवादी से, यदि विधि-अंक प्रबल है,
पद पर क्यों देती न स्वयं, वसुधा निज रतन उगल है?

भाग	प्रश्न	उत्तर	कारण
क.	प्रस्तुत काव्यांश में किन भावों की प्रधानता है? (i) हास्य व व्यंग्य (ii) साहस व प्रेरणा (iii) क्रोध व घृणा (iv) प्रेम व स्नेह	(ii) साहस व प्रेरणा	विकल्प (ii) सही है क्योंकि संपूर्ण काव्यांश मनुष्य को अपने भुजबल (बाहुबल) और पुरुषार्थ से सुख प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है।

			विकल्प (i), (iii) और (iv) गलत हैं क्योंकि कविता का स्वर वीर रस और प्रेरणा से ओत-प्रोत है, इसमें हास्य, क्रोध या केवल स्नेह का भाव मुख्य नहीं है।
ख.	काव्यांश के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है- (i) प्रकृति हमेशा मनुष्य के भाग्य के बल से झुकती है। (ii) भाग्य का अध्ययन कर पद व रत्न आसानी से मिल जाते हैं। (iii) केवल ब्रह्म-अभिलेख पढ़ने से ही व्यक्ति महान बनता है। (iv) उद्यम व श्रमजल से मनुष्य बाधाओं को पार कर सकता है।	(iv) उद्यम व श्रमजल से मनुष्य बाधाओं को पार कर सकता है।	विकल्प (iv) सही है क्योंकि काव्यांश की पंक्तियाँ स्पष्ट करती हैं कि प्रकृति भाग्य के बल से नहीं, बल्कि मनुष्य के उद्यम (मेहनत) और श्रमजल (पसीने) से हारती है। विकल्प (i), (ii) और (iii) गलत हैं क्योंकि कविता 'भाग्य' को एक धोखा (पाप का आवरण) मानती है और केवल 'ब्रह्म-अभिलेख' पढ़ने वाले को निरुद्यमी कहती है।
ग.	कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए। कथन: भाग्य अनुसरण करने से ही व्यक्ति पद और संपत्ति पा सकता है। कारण: व्यक्ति की बुद्धि व परिश्रम उसकी सफलता सुनिश्चित करते हैं। विकल्प: (i) कथन और कारण दोनों सही हैं, और कारण कथन की सही व्याख्या है। (ii) कथन व कारण दोनों सही हैं, और कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है। (iii) कथन गलत है, लेकिन कारण सही है।	(iii) कारण सही है, लेकिन कथन गलत है।	कथन गलत है क्योंकि भाग्य से सुख नहीं मिलता; कारण सही है कि परिश्रम ही सफलता की कुंजी है। (i), (ii), (iv) गलत हैं क्योंकि काव्यांश के अनुसार भाग्य का अनुसरण करना 'पाप का आवरण' और 'शोषण का शास्त्र' है।

	(iv) कथन सही है, लेकिन कारण गलत है।		
घ.	काव्यांश में 'अपना सुख उसने अपने, भुजबल से ही पाया है' से क्या संदेश मिलता है?	संदेश- ● परिश्रम और उद्यम का महत्त्व ● मनुष्य अपने प्रयासों से सुख प्राप्त करता है ● भाग्य नहीं, कर्म ही जीवन का आधार है ● आत्मविश्वास और कर्मशीलता का संदेश (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	यह संदेश देता है कि मनुष्य अपने स्वयं के प्रयासों से ही सच्चा सुख प्राप्त कर सकता है; भाग्य नहीं, कर्म ही जीवन का आधार है। केवल भाग्य पर भरोसा करना व्यक्ति को निर्बल और पराश्रित बनाता है, जो कविता के संदेश के विरुद्ध है।
ङ.	आपके अनुसार मनुष्य की सफलता में 'भाग्य और परिश्रम' का क्या महत्त्व है?	● सफलता में परिश्रम का प्रमुख योगदान ● भाग्य गौण, कर्म प्रधान ● बिना श्रम के सफलता असंभव ● भाग्य पर नहीं, कर्म पर विश्वास आवश्यक (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	सफलता के लिए भाग्य गौण है और कर्म प्रधान है; बिना श्रम के सफलता असंभव है। भाग्य पर विश्वास करना व्यक्ति को आलसी (निरुद्यमी) बना देता है, जिससे प्रगति रुक जाती है।

खंड-ख (व्यावहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (4x1=4)

भाग	प्रश्न	उत्तर	कारण
क.	रास्ते और भी सँकरे होते जा रहे थे। (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद लिखिए)	सरल वाक्य	प्रश्न में दिए गए वाक्य में एक ही मुख्य क्रिया है और कोई आश्रित उपवाक्य नहीं है, इसलिए यह सरल वाक्य है।

ख.	कातिक आने पर बालगोबिन भगत प्रभातियाँ गाना शुरू कर देते। (मिश्र वाक्य में रूपांतरित कीजिए।)	जब कातिक आता, तब बालगोबिन भगत प्रभातियाँ गाना शुरू कर देते। (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य)	मिश्र वाक्य बनाने के लिए 'जब-तब' जैसे योजक शब्दों का प्रयोग किया गया है, जहाँ एक मुख्य और एक आश्रित उपवाक्य है। मिश्र वाक्य के इन नियमों का प्रयोग कर अन्य वाक्य भी बनाए जा सकते हैं।
ग.	मिठाई की दुकान बढ़ाकर हम लोग घरौंदा बनाते थे। (संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए।)	हम मिठाई की दुकान बढ़ाते और घरौंदा बनाते थे। (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य)	संयुक्त वाक्य में दो स्वतंत्र उपवाक्यों को समानाधिकरण समुच्चयबोधक से जोड़ा जाता है। संयुक्त वाक्य के इन नियमों का प्रयोग कर अन्य वाक्य भी बनाए जा सकते हैं।
घ.	शीला अग्रवाल की जोशीली बातों ने रगों में बहते खून को लावे में बदल दिया। (रचना की दृष्टि से वाक्य-भेद लिखिए।)	सरल वाक्य	वाक्य लंबा होने के बावजूद इसमें एक ही विधेय (खून को लावे में बदल देना) है, अतः यह सरल वाक्य है।
ङ.	*जब कैप्टन की मृत्यु हुई,* तब बच्चों ने सरकंडे का चश्मा लगाया– रेखांकित आश्रित उपवाक्य का भेद लिखिए।	क्रियाविशेषण उपवाक्य	रेखांकित हिस्सा 'जब कैप्टन की मृत्यु हुई' मुख्य क्रिया के समय (कब) की विशेषता बता रहा है, इसलिए यह क्रियाविशेषण उपवाक्य है।

प्रश्न 4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (4x1=4)

भाग	प्रश्न	उत्तर	कारण
क	लेखक ने एक सफ़ेदपोश सज्जन को सैकेंड क्लास में बैठे हुए देखा है। (कर्मवाच्य में बदलिए)	लेखक द्वारा एक सफ़ेदपोश सज्जन को सैकेंड क्लास में बैठे हुए देखा गया। (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य)	कर्मवाच्य में कर्म की प्रधानता होती है और कर्ता के साथ 'द्वारा' का प्रयोग कर क्रिया को कर्म के अनुसार बदला जाता है।

			‘कर्मवाच्य में रूपांतरण’ के इन नियमों का प्रयोग कर अन्य वाक्य भी बनाए जा सकते हैं।
ख.	कैप्टन द्वारा गिने-चुने फ्रेमों को नेताजी की मूर्ति पर फिट कर दिया जाता है। (कर्तृवाच्य में बदलिए)	कैप्टन ने गिने-चुने फ्रेमों को नेताजी की मूर्ति पर फिट कर दिया। (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य)	कर्तृवाच्य में कर्ता (कैप्टन) प्रधान होता है और क्रिया सीधे कर्ता के लिंग और वचन का अनुसरण करती है। ‘कर्तृवाच्य में रूपांतरण’ के इन नियमों का प्रयोग कर अन्य वाक्य भी बनाए जा सकते हैं।
ग.	अब मैं नहीं सहूँगा। (भाववाच्य में बदलिए)	अब मुझसे सहा नहीं जाता। (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य)	भाववाच्य में क्रिया या भाव की प्रधानता होती है। यह अक्सर असमर्थता व्यक्त करने के लिए प्रयोग किया जाता है। ‘भाववाच्य में रूपांतरण’ के इन नियमों का प्रयोग कर अन्य वाक्य भी बनाए जा सकते हैं।
घ.	मई महीने में शीला अग्रवाल को कॉलेज वालों ने नोटिस थमा दिया। (कर्मवाच्य में बदलिए)	कॉलेज वालों द्वारा मई महीने में शीला अग्रवाल को नोटिस थमा दिया गया। (अन्य उपयुक्त उत्तर भी स्वीकार्य)	यह कर्मवाच्य का रूप है जहाँ क्रिया का प्रभाव कर्म (शीला अग्रवाल और नोटिस) पर पड़ रहा है और कर्ता के साथ 'द्वारा' लगा है। ‘कर्मवाच्य में रूपांतरण’ के इन नियमों का प्रयोग कर अन्य वाक्य भी बनाए जा सकते हैं।
ङ.	रोगी रातभर सो नहीं सका। (वाच्य भेद लिखिए)	कर्तृवाच्य	इस वाक्य में क्रिया ('सो नहीं सका') का सीधा संबंध कर्ता ('रोगी') से है। वाक्य में क्रिया का रूप कर्ता के लिंग और वचन के अनुसार बदल रहा है।

प्रश्न 5. निर्देशानुसार ‘पद परिचय’ पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के रेखांकित पदों का पद परिचय लिखिए- (4x1=4)

(क) **गंतोक** को मेहनतकश बादशाहों का शहर कहा जाता है।

उत्तर	व्याख्या
गंतोक - संज्ञा (व्यक्तिवाचक), कर्म कारक, एकवचन, पुल्लिंग	रेखांकित पद एक स्थान विशेष का नाम है इसलिए व्यक्तिवाचक संज्ञा। 'को' से कर्म कारक का बोध हो रहा है। 'गंतोक' शहर एकवचन है। शहर का लिंग सामान्यत: पुल्लिंग होता है।

(ख) सभी लोग सभा में **शांतिपूर्वक** बैठे हैं।

उत्तर	व्याख्या
शांतिपूर्वक - क्रियाविशेषण (रीतिवाचक), अव्यय शब्द	रेखांकित पद 'बैठना' क्रिया की विशेषता बता रहा है इसलिए क्रियाविशेषण। लिंग, वचन, काल आदि के कारण इस पद में कोई विकार उत्पन्न नहीं होता इसलिए अव्यय।

(ग) बिस्मिल्लाह खाँ संगीत के **नायाब** हीरा माने जाते हैं।

उत्तर	व्याख्या
नायाब - गुणवाचक विशेषण, 'हीरा' विशेष्य का विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग	'नायाब' होना हीरे का गुण है इसलिए गुणवाचक विशेषण। 'हीरा' एकवचन और पुल्लिंग है अतः 'नायाब' भी एकवचन और पुल्लिंग है।

(घ) मंदिर **के पास** ही एक बगीचा होता था।

उत्तर	व्याख्या
के पास - संबंधबोधक अव्यय, 'मंदिर' व 'बगीचे' के बीच संबंध को दर्शा रहा है।	रेखांकित पद 'मंदिर' और 'बगीचा' के साथ संबंध जोड़ रहा है इसलिए संबंधबोधक अव्यय।

(ङ) **कोई** व्यक्ति बाहर खड़ा है।

उत्तर	व्याख्या
कोई - अनिश्चयवाचक सर्वनाम, कर्ता कारक, एकवचन	रेखांकित पद से व्यक्ति का बोध तो हो रहा है लेकिन उसके विषय में निश्चित सूचना नहीं मिल रही है इसलिए

	अनिश्चयवाचक सर्वनाम; खड़े होने की क्रिया रेखांकित पद द्वारा की जा रही है इसलिए कर्ता कारक, अपनी प्रकृति में एकवचन

प्रश्न 6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों की रेखांकित काव्य-पंक्तियों में अलंकार पहचान कर लिखिए - **(4x1=4)**

(क) तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान, **मृतक में भी डाल देगी जान।**

उत्तर	व्याख्या
अतिशयोक्ति अलंकार	'मृतक में जान डाल देना' लोक व्यवहार के विरुद्ध जाने वाली उक्ति है, यहाँ 'दंतुरित मुसकान' के प्रभाव को अधिक बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया गया है।

(ख) ललित ललित, काले घुँघराले, **बाल कल्पना के-से पाले।**

उत्तर	व्याख्या
उपमा अलंकार	यहाँ बादलों की तुलना, वाचक शब्द 'से' द्वारा बच्चे की कल्पना से की गई है, इसलिए उपमा अलंकार है।

(ग) हमारे हरि **हारिल की लकरी।**

उत्तर	व्याख्या
रूपक अलंकार	यहाँ हरि (श्रीकृष्ण) और हारिल पक्षी की लकड़ी के भेद को समाप्त कर एक मान लिया गया है, इसलिए रूपक अलंकार है।

(घ) **मानो नील व्योम उतरा हो** आलिंगन के हेतु अशेष।

उत्तर	व्याख्या
उत्प्रेक्षा अलंकार / मानवीकरण अलंकार	यहाँ नीले वस्त्र या आकृति की संभावना/कल्पना नीले व्योम में व्यक्त की जा रही है इसलिए उत्प्रेक्षा अलंकार है। उत्प्रेक्षा अलंकार में 'मानो' शब्द का प्रयोग भी होता है। यहाँ निर्जीव नीले व्योम (आकाश) द्वारा 'उतरने' जैसी मानवीय क्रिया का आरोप किया गया है इसलिए मानवीकरण अलंकार भी है।

(ङ) **<u>है बिखेर देती वसुंधरा मोती</u>**, सबके सोने पर।

उत्तर	व्याख्या
मानवीकरण अलंकार	यहाँ पृथ्वी (वसुंधरा) पर 'मोती बिखेरने' जैसी मानवीय क्रिया का आरोप किया गया है इसलिए मानवीकरण अलंकार है।

खंड-ग (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक)

प्रश्न 7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। (5X1=5)

अमीरुद्दीन का जन्म डुमराँव, बिहार के एक संगीत प्रेमी परिवार में हुआ है। 5-6 वर्ष डुमराँव में बिताकर वह नाना के घर, ननिहाल काशी में आ गया है। डुमराँव का इतिहास में कोई स्थान बनता हो, ऐसा नहीं लगा कभी भी। पर यह ज़रूर है कि शहनाई और डुमराँव एक-दूसरे के लिए उपयोगी हैं। शहनाई बजाने के लिए रीड का प्रयोग होता है। रीड अंदर से पोली होती है जिसके सहारे शहनाई को फूँका जाता है। रीड, नरकट (एक प्रकार की घास) से बनाई जाती है जो डुमराँव में मुख्यतः सोन नदी के किनारों पर पाई जाती है। इतनी ही महत्ता है इस समय डुमराँव की जिसके कारण शहनाई जैसा वाद्य बजता है। फिर अमीरुद्दीन जो हम सबके प्रिय हैं, अपने उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ साहब हैं। उनका जन्म-स्थान भी डुमराँव ही है। इनके परदादा उस्ताद सलार हुसैन खाँ डुमराँव निवासी थे। बिस्मिल्ला खाँ उस्ताद पैगंबरबख्श खाँ और मिट्ठन के छोटे साहबजादे हैं।

(क) बिस्मिल्ला खाँ का अन्य नाम था-

(i) पैगंबरबख्श खाँ (ii) सलार हुसैन

(iii) अमीरुद्दीन (iv) शमशुद्दीन

(i). पैगंबरबख्श खाँ (गलत)	गद्यांश के अनुसार बिस्मिल्ला खाँ पैगंबरबख्श खाँ के बेटे हैं।
(ii). सलार हुसैन (गलत)	गद्यांश के अनुसार बिस्मिल्ला खाँ सलार हुसैन के परपोते हैं।
(iii). अमीरुद्दीन (सही)	गद्यांश में वर्णन मिलता है कि बिस्मिल्ला खाँ ही अमीरुद्दीन है।
(iv). शमशुद्दीन (गलत)	गद्यांश में शमशुद्दीन का कोई वर्णन नहीं मिलता।

(ख) शहनाई के लिए प्रयोग होने वाली 'नरकट' है-

(i) एक प्रकार की लकड़ी (ii) एक प्रकार की घास

(iii) एक प्रकार का बाँस (iv) एक प्रकार का वाद्य

(i) एक प्रकार की लकड़ी (गलत)	गद्यांश में नरकट के संबंध में लकड़ी का वर्णन नहीं मिलता।
(ii) एक प्रकार की घास (सही)	गद्यांश के अनुसार नरकट एक प्रकार की घास है जिससे रीड बनती है। रीड का प्रयोग शहनाई बनाने में किया जाता है।
(iii)एक प्रकार का बाँस (गलत)	गद्यांश में नरकट के संबंध में बाँस का वर्णन नहीं मिलता।
(iv)एक प्रकार का वाद्य (गलत)	शहनाई स्वयं एक वाद्य यंत्र है। गद्यांश के अनुसार नरकट एक प्रकार की घास है न कि वाद्य यंत्र।

(ग) डुमराँव व शहनाई एक दूसरे की प्रसिद्धि के पूरक हैं क्योंकि-

(I) शहनाई में प्रयोग होने वाली रीड डुमराँव की नरकट से बनती है।

(II) शहनाई के प्रसिद्ध वादक बिस्मिल्ला खाँ का ननिहाल डुमराँव था।

(III) शहनाई को ख्याति दिलाने वाले बिस्मिल्ला डुमराँव में जन्मे थे।

(IV) शहनाई सुषिर वाद्य है, जो केवल डुमराँव में ही बजाया जाता है।

विकल्प-

(i) केवल (I) और (III) सही हैं।

(ii) केवल (I), (II) और (III) सही हैं।

(iii) केवल (II) और (IV) सही हैं।

(iv) सभी (I), (II), (III) और (IV) सही हैं।

(i) केवल (I) और (III) सही हैं। (सही)	गद्यांश के अनुसार शहनाई बनाने के लिए जिस रीड का प्रयोग किया जाता है वह रीड डुमराँव में मुख्यतः सोन नदी के किनारों पर पाई जाने वाली घास से बनती है। गद्यांश के अनुसार बिस्मिल्ला खाँ (अमीरुद्दीन) का जन्म डुमराँव में हुआ।
(ii) केवल (I), (II) और (III) सही हैं। (गलत)	गद्यांश के अनुसार शहनाई के प्रसिद्ध वादक बिस्मिल्ला खाँ का ननिहाल डुमराँव में न होकर काशी में था। इसलिए कथन (II) सही नहीं।
(iii) केवल (II) और (IV) सही हैं। (गलत)	गद्यांश में ऐसा वर्णन नहीं मिलता कि शहनाई जो कि एक सुषिर वाद्य है केवल डुमराँव में ही बजाया जाता हो। इसलिए कथन (IV) सही नहीं।

(iv)सभी (I), (II), (III) और (IV) सही हैं। (गलत)	कथन (II) और (IV) ग़लत हैं जिनकी व्याख्या ऊपर की गई है।

(घ) कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए।

कथन : डुमराँव के कारण ही शहनाई जैसा वाद्‌य बजता है।

कारण : रीड मुख्यत: डुमराँव में सोन नदी के किनारे मिलने वाली 'नरकट' से बनाई जाती है।

विकल्प-

(i) कथन गलत है, किंतु कारण सही है।

(ii) कथन और कारण दोनों ही गलत हैं।

(iii) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

(iv) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है।

(i) कथन गलत है, किंतु कारण सही है। (गलत)	कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
(ii) कथन और कारण दोनों ही गलत हैं। (गलत)	कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
(iii)कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है। (सही)	गद्‌यांश के अनुसार शहनाई बनाने के लिए जिस रीड का प्रयोग किया जाता है वह रीड डुमराँव में मुख्यतः सोन नदी के किनारों पर पाई जाने वाली घास से बनती है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि डुमराँव के होने से ही शहनाई जैसे वाद्‌य यंत्र की मधुर ध्वनि श्रोता सुन पाते हैं। अत: कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।
(iv)कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं है। (गलत)	कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या है।

(ङ) बिस्मिल्ला खाँ के पारिवारिक संगीत इतिहास से संबंधित उचित विकल्प का चयन कीजिए-

(I) केवल बिस्मिल्ला खाँ ही संगीत में रुचि रखते थे।

(II) संगीत उनके परिवार में पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलता आया है।

(III) उनका संगीत केवल डुमराँव तक ही सीमित नहीं रहा।

(IV) उनका परिवार संगीत से बिल्कुल जुड़ा नहीं था।

विकल्प-

(i) केवल (I) और (III) सही हैं।

(ii) केवल (II) और (III) सही हैं।

(iii) केवल (II) और (IV) सही हैं।

(iv) सभी (I), (II) और (III) सही हैं।

(i). केवल (I) और (III) सही हैं। (गलत)	गद्यांश के अनुसार बिस्मिल्ला खाँ का जन्म संगीत प्रेमी परिवार में हुआ था इसलिए इसलिए कथन (I) सही नहीं है।
(ii). केवल (II) और (III) सही हैं। (सही)	गद्यांश के अनुसार बिस्मिल्ला खाँ का जन्म संगीत प्रेमी परिवार में हुआ था। गद्यांश में ऐसा वर्णन नहीं मिलता कि बिस्मिल्ला खाँ का पारिवारिक संगीत इतिहास केवल डुमराँव तक ही सीमित रहा। बाद के दिनों में काशी आ जाना दर्शाता है कि उनका पारिवारिक संगीत इतिहास काशी तक फैला हुआ था।
(iii). केवल (II) और (IV) सही हैं। (गलत)	गद्यांश के अनुसार बिस्मिल्ला खाँ का जन्म संगीत प्रेमी परिवार में हुआ था इसलिए कथन (IV) सही नहीं है।
(iv). सभी (I), (II), और (III) सही हैं। (गलत)	कथन (I) गलत हैं जिसकी व्याख्या ऊपर की गई है।

प्रश्न 8. निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए- (3x2=6)

(क) 'वैचारिक आधुनिकता के लिए परंपराओं को त्यागना अनिवार्य नहीं होता' - पाठ 'बालगोबिन भगत' के संदर्भ में इस कथन की पुष्टि कीजिए।

<u>वैचारिक आधुनिकता-</u> • पतोहू द्वारा दाह संस्कार की अग्नि दिलवाना, • पतोहू का पुनर्विवाह <u>परंपरा-सम्मान-</u> • भक्ति व भजन-कीर्तन, • साहब के प्रति समर्पण, • साधारण जीवनयापन	प्रत्येक बिंदु पर एक अंक दिए जाएँ। (अधिकतम 2 अंक) (यदि विद्यार्थी प्रदत्त कथन के विपक्ष में उचित तर्क प्रस्तुत करते हुए उत्तर दें तो अंक दिए जाएँ)

(ख) 'संस्कृति' पाठ में लेखक ने संस्कृति और असंस्कृति के मध्य अंतर का मूल आधार क्या माना है? विचार करते हुए लिखिए।

• कल्याण की भावना (मूल आधार) • संस्कृति का उपयोग समाज के विकास के लिए होता है। • असंस्कृति मानव क्षमताओं का उपयोग विनाश हेतु करती है।	मूल आधार बताने पर एक अंक और अंतर स्पष्ट करने पर एक अंक दिए जाएँ। (अधिकतम 2 अंक)

(ग) आपके अनुसार लेखक यशपाल ने 'लखनवी अंदाज़' नामक व्यंग्य द्वारा नव कहानीकारों को क्या संदेश दिया है?

• कहानी में पात्र और घटना होना ज़रूरी है। • लेखक की कल्पना मात्र पर्याप्त नहीं। • कहानी में समाज, जीवन और अनुभव की झलक हो। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	प्रत्येक बिंदु पर एक अंक दिए जाएँ। (अधिकतम 2 अंक)

(घ) 'एक व्यक्ति तथा कलाकार दोनों ही रूपों में बिस्मिल्लाह खाँ प्रभावित करते हैं।' - पाठ 'नौबतख़ाने में इबादत' के आलोक में सिद्ध कीजिए।

<u>सामान्य व्यक्ति-</u> • वे विनम्र, सरल और सौहार्दपूर्ण थे। • वे दिखावटीपन से दूर रहते थे। • प्रसिद्धि के बावजूद सादा जीवन जीते थे। <u>प्रसिद्ध कलाकार-</u> • वे एक समर्पित संगीत साधक थे। • शहनाई बजाने में ख्याति प्राप्त की। • अनेक पुरस्कार व मानद उपाधियाँ भी मिलीं। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	प्रत्येक बिंदु पर एक अंक दिए जाएँ। (अधिकतम 2 अंक)

प्रश्न 9. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। (5X1=5)

मधुप गुन-गुनाकर कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी।
इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास
यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य-मलिन उपहास
तब भी कहते हो-कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती।
तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे-यह गागर रीति।

किंतु कहीं ऐसा न हो कि तुम ही खाली करने वाले-
अपने को समझो, मेरा रस ले अपनी भरने वाले।

(क) कवि के अनुसार 'मधुप' प्रतीक है?	
(i) मन (सही)	पद्यांश व संदर्भ अनुसार मधुप (भौंरा) को मन के समान दर्शाया गया है क्योंकि दोनों में निम्नलिखित समानताएँ हैं- • रस और सुख (मन के संदर्भ में) की ओर आकर्षण • इधर-उधर भटकना • एक जगह न टिकना अत: विकल्प (**i**) सही है।
(ii) मस्तिष्क (गलत)	पद्यांश व संदर्भ अनुसार मस्तिष्क सही उत्तर नहीं है क्योंकि मस्तिष्क तर्कशील और नियंत्रित होता है। अत: विकल्प (**ii**) सही नहीं है।
(iii) सुख (गलत)	पद्यांश व संदर्भ अनुसार 'सुख' सही उत्तर नहीं है क्योंकि सुख भाव है, क्रियाशील जीव नहीं है जबकि मधुप एक सक्रिय प्रतीक है, जो गुन-गुनाकर कहानी कहता है। अत: विकल्प (**iii**) सही नहीं है।
(iv) दुख (गलत)	पद्यांश व संदर्भ अनुसार 'दुख' सही उत्तर नहीं है क्योंकि दुख भाव है, क्रियाशील जीव नहीं है जबकि मधुप एक सक्रिय प्रतीक है, जो गुन-गुनाकर कहानी कहता है। अत: विकल्प (**iv**) सही नहीं है।
(ख) कवि आत्मकथ्य लिखने से बचना चाहते है क्योंकि- (i) उन्हें अपने जीवन की बातें साझा करना नापसंद है। (ii) वे दूसरों को अपने दुख-सुख में शामिल नहीं करना चाहते हैं। (iii) उन्हें भय है कि लोग उनकी व्यथा का उपहास करेंगे। (iv) वे अपने अनुभवों से दूसरों को दुखी नहीं करना चाहते।	
(i) उन्हें अपने जीवन की बातें साझा करना नापसंद है। (गलत)	कवि को अपनी जीवन-कथा से घृणा या नापसंदगी नहीं है। समस्या साझा करने की नहीं**,** बल्कि लोगों की मानसिकता की है। अत: यह विकल्प गलत है।
(ii) वे दूसरों को अपने दुख-सुख में शामिल नहीं करना चाहते हैं। (गलत)	कवि का विरोध दूसरों को शामिल करने से नहीं है**,** बल्कि उनकी दृष्टि और उद्देश्य से है। अत: यह विकल्प गलत है।
(iii) उन्हें भय है कि लोग उनकी व्यथा का उपहास करेंगे। (सही)	'व्यंग्य-मलिन उपहास' जैसे शब्द स्पष्ट करते हैं कि कवि को डर है कि समाज उनके जीवन-संघर्षों का मजाक उड़ाएगा। अत: यह विकल्प सही है।

(iv) वे अपने अनुभवों से दूसरों को दुखी नहीं करना चाहते। (गलत)	कविता में कहीं यह संकेत नहीं मिलता कि कवि दूसरों को दुखी होने से बचाने के लिए आत्मकथ्य नहीं लिखना चाहते। अत: यह विकल्प गलत है।
(ग) कथन और कारण पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए : कथन : कवि जीवन की नश्वरता का अनुभव कर रहे हैं। कारण : गिरती पत्तियाँ उन्हें जीवन के क्षय का प्रतीक लगती हैं।	
(i) कथन और कारण दोनों सही हैं, और कारण कथन की सही व्याख्या है। (सही)	कवि जीवन की नश्वरता का अनुभव कर रहे हैं और इसका कारण उन्हें मुरझाकर गिरती पत्तियाँ लगती हैं। ये पत्तियाँ जीवन के क्षय का प्रतीक हैं। अत: यह विकल्प सही है।
(ii) कथन और कारण दोनों सही हैं, लेकिन कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है। (गलत)	यहाँ कारण ही कथन का स्पष्ट आधार है। पत्तियों का गिरना ही कवि को जीवन की नश्वरता का अनुभव कराता है, अत: यह विकल्प गलत है।
(iii) कथन गलत है, लेकिन कारण सही है। (गलत)	कथन गलत नहीं है, कवि वास्तव में जीवन की नश्वरता अनुभव कर रहे हैं, जैसा कि कविता के आरंभिक दृश्य से स्पष्ट है। अत: यह विकल्प गलत है।
(iv) कथन सही है, लेकिन कारण गलत है। (गलत)	कारण भी पूरी तरह सही है क्योंकि गिरती पत्तियाँ कविता में जीवन-क्षय का प्रतीक हैं। अत: यह विकल्प गलत है।
(घ) 'गागर रीती' का आशय है-	
(i) जीवन पूर्ण होना (गलत)	'गागर रीती' का अर्थ भरा हुआ नहीं**,** बल्कि **खा**ली होना है। कवि जीवन को पूर्ण या संतुष्ट रूप में नहीं**,** बल्कि रिक्तता के भाव में देख रहे हैं। अत: यह विकल्प गलत है।
(ii) जीवन सरल होना (गलत)	'रीती' शब्द का अर्थ सरल नहीं होता। इसका आशय खाली, रसहीन से है। इसलिए यह अर्थ शब्दार्थ और भाव–दोनों दृष्टियों से गलत है। अत: यह विकल्प गलत है।
(iii) जीवन रिक्त होना (सही)	'गागर रीती' का शाब्दिक अर्थ है – खाली घड़ा। अत: यह विकल्प सही है।
(iv) जीवन महान होना (गलत)	'गागर रीती' में महानता या गौरव का कोई भाव नहीं है। अत: यह विकल्प गलत है।
(ङ) निम्नलिखित में से काव्यांश के अनुसार सही है- I. कवि प्रकृति के दृश्यों द्वारा जीवन के गूढ़ अर्थ बता रहे हैं। II. कवि अपनी दुर्बलता सबके सामने कहने की इच्छा रखते हैं। III. कवि औरों को आत्मकथा लिखने के लिए प्रेरित करते हैं। IV. कवि नहीं चाहते कि कोई उनके जीवन अनुभवों से रस ले।	

(i) केवल I और II सही हैं। (गलत)	कवि स्वयं कहते हैं कि वे अपनी दुर्बलता कहना नहीं चाहते, क्योंकि लोग उसका सही भाव से ग्रहण नहीं करेंगे। इसलिए कथन II गलत है। अत: यह विकल्प गलत है।
(ii) केवल I और IV सही हैं। (सही)	कवि भौंरे, मुरझाती पत्तियों, अनंत नीलिमा जैसे प्राकृतिक बिंबों के माध्यम से जीवन की नश्वरता और गहराई का भाव व्यक्त कर रहे हैं। इसलिए कथन I सही है। कवि को आशंका है कि लोग उनकी पीड़ा से रस लेंगे। इसलिए कथन IV सही है। अतः यह विकल्प सही है।
(iii) केवल II और III सही हैं। (गलत)	कवि स्वयं कहते हैं कि वे अपनी दुर्बलता कहना नहीं चाहते, क्योंकि लोग उसका सही भाव से ग्रहण नहीं करेंगे। इसलिए कथन II गलत है। कवि न तो स्वयं आत्मकथा लिखना चाहते हैं, न ही दूसरों को प्रेरित करते हैं; बल्कि इसके दुष्परिणामों की ओर संकेत करते हैं। इसलिए कथन III गलत है। अत: यह विकल्प गलत है।
(iv) कथन I, II और III सही हैं। (गलत)	कवि स्वयं कहते हैं कि वे अपनी दुर्बलता कहना नहीं चाहते, क्योंकि लोग उसका सही भाव से ग्रहण नहीं करेंगे। इसलिए कथन II गलत है। कवि न तो स्वयं आत्मकथा लिखना चाहते हैं, न ही दूसरों को प्रेरित करते हैं; बल्कि इसके दुष्परिणामों की ओर संकेत करते हैं। इसलिए कथन III गलत है। अत: यह विकल्प गलत है।

प्रश्न 10. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- (3x2=6)

(क) कृष्ण के व्यवहार में आए किस परिवर्तन के कारण गोपियों ने कहा कि वे 'राजनीति पढ़' आए हैं। इस कथन से गोपियों का कौन-सा प्रकट होता है?	
<u>कृष्ण के व्यवहार में परिवर्तन</u>: प्रेम के स्थान पर चतुराई व कूटनीति का सहारा, स्वयं न आकर उद्धव को भेजना, मिलने के स्थान पर योग संदेश भिजवाना <u>गोपियों का भाव</u> : दुख व खिन्नता का भाव	(अन्य उचित तर्क/वर्णन पर अंक दिए जाएँ) कृष्ण के व्यवहार परिवर्तन से संबंधित बिंदु लिखने हेतु 1 एवं संदर्भानुसार गोपियों का भाव लिखने हेतु 1 अंक दें। (अधिकतम 2 अंक)
(ख) एक बच्चे की मुसकान कितनी प्रभावशाली हो सकती है? कविता 'यह दंतुरित मुसकान' के आधार पर लिखिए।	

निश्छल मुसकान हृदय में प्रेम और स्नेह जगाती है, जीवन में सकरात्मक ऊर्जा और शक्ति भरती है, कठिन परिस्थितियों को सरल और सौम्य बनाती है, वातावरण को खुशहाल और सौहार्दपूर्ण बनाती है। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	(अन्य उचित तर्क/वर्णन पर अंक दिए जाएँ) प्रत्येक बिंदु पर 1 अंक दिया जाए। (अधिकतम 2 अंक)
(ग) 'उत्साह' कविता में प्रयुक्त प्रतीकों का विश्लेषण दो बिंदुओं में कीजिए।	
प्रतीक: बादल - क्रांति/परिवर्तन/नवचेतना जागृति/ उत्साह जन आकांक्षा पूर्ण करने वाले युवा गरमी/निदाघ - समाज में व्याप्त समस्याएँ/रूढ़िवादिता कष्ट/ आलस/ विषमता गरमी से राहत - सामाजिक रूढ़ियों और व्याप्त समस्याओं से मुक्ति (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	(अन्य उचित तर्क/वर्णन पर अंक दिए जाएँ) प्रत्येक बिंदु पर 1 अंक दिया जाए। (अधिकतम 2 अंक)
(घ) कविता 'संगतकार' के आधार पर लिखिए कि सामूहिक सहयोग और निस्वार्थ भूमिकाएँ एक बेहतर समाज के निर्माण में कैसे सहायक होती हैं?	
साझा प्रयास से कठिन कार्य भी सरल हो जाते हैं, निस्वार्थ योगदान से समूह का प्रयास सफल होता है, सहयोग से सकरात्मक वातावरण और प्रगति संभव होती है, समान उद्‌देश्य की प्राप्ति में निस्वार्थ योगदान मदद करता है, आदि। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित)	(अन्य उचित तर्क/वर्णन पर अंक दिए जाएँ) कोई दो बिंदु अनिवार्य प्रत्येक बिंदु पर 1 अंक दिया जाए। (अधिकतम 2 अंक)

विद्‌यार्थियों के लिए सुझाव -

1. क्षितिज भाग 2 के पाठों को अच्छी तरह पढ़ें तथा पाठ के केंद्रीय भाव को समझते हुए महत्त्वपूर्ण भाव/संवेदना/तथ्यों से अवगत रहें।
2. दो अंक वाले प्रश्नों में कम से कम दो विभिन्न महत्त्वपूर्ण तर्क/तथ्य/उदाहरण अवश्य दें।

प्रश्न 11. पूरक पाठ्‌यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए- (2x4=8)

<table>
<tr><td colspan="2">(क) बालक भोलानाथ अपने साथियों को देखकर, अपना सारा दुख भूल, खेल में क्यों मग्न हो जाता है? स्पष्ट करते हुए लिखिए।</td></tr>
<tr><td>अपनी आयु के बच्चों के साथ खेलने में रुचि लेना, अपने साथियों के बीच रोने में हीनता का अनुभव होना, खेलने में आनंद आना, बचपन में भावनाओं का जल्दी-जल्दी बदलना आदि।</td><td>(अन्य उचित तर्क/वर्णन पर अंक दिए जाएँ)
संदर्भ आधारित व प्रश्नानुकूल उचित उत्तर पर अंक दें।
(अधिकतम 4 अंक)</td></tr>
<tr><td colspan="2">(ख) ‘साना-साना हाथ जोड़ि...’ शीर्षक का अर्थ स्पष्ट कीजिए। लेखिका ने अपने यात्रा-स्थल की आस्था से संबंधित कौन-कौन सी विशेषताएँ उजागर की हैं?</td></tr>
<tr><td>शीर्षक अर्थ: छोटे-छोटे हाथों को जोड़कर प्रार्थना कर रही हूँ।
विशेषताएँ : बौद्ध धर्म की मान्यताएँ, मंत्र लिखी पताकाएँ, रंगीन पताका-शुभ का प्रतीक, श्वेत-शोक प्रतीक, घूमता चक्र जिसे ‘धर्मचक्र’ कहा जाता है, चक्र घूमाने से पाप धुल जाना, आस्थाओं के तरीके अलग, विश्वास एक</td><td>(अन्य उचित तर्क/वर्णन पर अंक दिए जाएँ)
संदर्भ आधारित व प्रश्नानुकूल उचित उत्तर पर अंक दें।
(अधिकतम 4 अंक)</td></tr>
<tr><td colspan="2">(ग) लेखन में ‘प्रत्यक्ष अनुभव’ और ‘अनुभूति’ में से कौन अधिक मददगार है? पाठ ‘मैं क्यों लिखता हूँ?’ के आधार पर तर्क सहित उत्तर लिखिए।</td></tr>
<tr><td>अनुभूति अधिक मददगार है, अनुभूति संवेदनाओं और कल्पनाओं को जगाती है, यह बिना घटित घटना की पीड़ा/सच्चाई भी महसूस करवाती है। प्रत्यक्ष अनुभव बाहरी होता है, अनुभूति आंतरिक।
लेखक को लिखने की प्रेरणा ‘अनुभूति’ से मिली।</td><td>(अन्य उचित तर्क/वर्णन पर अंक दिए जाएँ)
संदर्भ आधारित व प्रश्नानुकूल उचित उत्तर पर अंक दें।
(अधिकतम 4 अंक)</td></tr>
</table>

विद्यार्थियों के लिए सुझाव -

1. कृतिका भाग 2 के पाठों को अच्छी तरह पढ़ें तथा पाठ के केंद्रीय भाव को समझते हुए महत्त्वपूर्ण भाव/संवेदना/तथ्यों से अवगत रहें।
2. चार अंक वाले प्रश्नों में कम से कम चार विभिन्न महत्त्वपूर्ण तर्क/तथ्य/उदाहरण अवश्य दें।

खंड-घ (रचनात्मक लेखन)

प्रश्न 12. निम्नलिखित तीन विषयों में से **किसी एक** विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। (1x6= 6)

(क) योग का महत्त्व

संकेत बिंदु-

- विश्व को भारत की अनुपम देन
- शरीर और मन पर प्रभाव
- दैनिक अभ्यास में शामिल करने की आवश्यकता

1) योग की उत्पत्ति और इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया जा सकता है कि योग, भारत द्वारा विश्व को दिया गया अनुपम उपहार है।
2) अनुच्छेद में योग के लाभ का वर्णन करते हुए लिखा जा सकता है कि योग शरीर और मन को शांत और ऊर्जावान रखने में सहायता करता है।
3) योग को दैनिक जीवन में शामिल करके आज का मनुष्य एक सुखी और स्वस्थ जीवन जी सकता है; इस बात पर ज़ोर देते हुए अनुच्छेद का समापन किया जा सकता है।

(ख) मतदान का महत्त्व

संकेत बिंदु

- लोकतंत्र की नींव
- जनता की भागीदारी
- समझदारी से मतदान की आवश्यकता

1) लोकतंत्र का अर्थ और परिभाषा स्पष्ट करते हुए लोकतंत्र की प्रक्रिया में मतदान के महत्त्व को रेखांकित किया जा सकता है।
2) मतदान की पूरी प्रक्रिया में जनता की भागीदारी पर प्रकाश डालते हुए लिखा जा सकता है कि जनता का उत्साह और सार्थक हस्तक्षेप किसी भी मतदान दिवस को सफल बनाता है।
3) जनता अपने विवेक से सही उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करके लोकतंत्र की आत्मा को जीवित रखती है; इस बात पर ज़ोर देते हुए अनुच्छेद का समापन किया जा सकता है।

(ग) मोबाइल के बिना एक दिन

- सुबह से शाम तक की स्थिति
- कठिनाइयों व राहत दोनों का अनुभव
- तकनीक पर निर्भरता का एहसास

1) आधुनिक जीवन में मोबाइल ने मनुष्य के जीवन में कैसे अधिकार जमा लिया है इस बात को रेखांकित किया जा सकता है। यह बताया जा सकता है कि आज का मनुष्य मोबाइल फ़ोन के बिना एक क्षण भी नहीं बिता पाता।

2) मोबाइल के बिना एक दिन का अनुभव लिखते समय यह बताया जा सकता है कि मोबाइल के बिना कुछ ज़रूरी काम पूरे करने में भले ही समस्या आ रही थी लेकिन मोबाइल फ़ोन के द्वारा किसी भी तरह का हस्तक्षेप न होने से मन, मस्तिष्क और आँखों को बहुत आराम मिला।

3) मोबाइल के बिना एक दिन गुज़ारने पर यह एहसास हुआ कि हमारी निर्भरता तकनीक पर बहुत बढ़ गई है। तकनीक का संतुलित प्रयोग होना ज़रूरी है। इस बात पर ज़ोर देते हुए अनुच्छेद का समापन किया जा सकता है।

अनुच्छेद लेखन-

भूमिका --------------- 1 अंक

विषयवस्तु ---------- 3 अंक

निष्कर्ष ------------- 1 अंक

भाषा शुद्धता ------- 1 अंक

सुझाव -

1. अनुच्छेद लेखन की अवधारणा को समझकर उत्तर लिखिए।
2. प्रत्येक विकल्प में दिए गए सभी बिंदुओं को पढ़ने के बाद ही, अनुच्छेद लेखन हेतु विषय का चयन कीजिए और प्रदत्त बिंदुओं का क्रमिक विश्लेषण कीजिए।
3. समसामयिक विषयों से परिचित रहिए।
4. विषयानुकूल प्रासंगिक और सटीक तथ्य/तर्क का अपने लेखन में समावेश कीजिए।
5. प्रसंगानुसार कोई दोहा, श्लोक, प्रसिद्ध विचार या काव्य पंक्ति का उल्लेख कीजिए।
6. शब्द सीमा का ध्यान रखिए।

प्रश्न **13.** (क) आपका नाम हिमांश/हिमांशी हैं। एक ज़िम्मेदार युवा नागरिक के रूप में, फिल्मों व ओ.टी.टी मंचों पर प्रसारित हिंसात्मक व अभद्र भाषायुक्त सामग्री पर नियंत्रण लगाने की अपील करते हुए प्रसारण मंत्रालय के मुख्य अधिकारी को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। (1x5=5)

अथवा

(ख) आपका नाम हिमांश/हिमांशी हैं। अपने मित्र को 'स्वच्छ दिल्ली, समृद्ध दिल्ली' अभियान में भाग लेने का अनुभव बताते हुए तथा उसे भी इसमें शामिल होने के लिए प्रेरित करते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

(क) औपचारिक पत्र में प्रसारण मंत्रालय के मुख्य अधिकारी का ध्यान इस ओर केंद्रित करने का प्रयास किया जा सकता है कि फिल्मों व ओ.टी.टी मंचों पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों में हिंसात्मक व अभद्र भाषायुक्त सामग्री का प्रयोग बढ़ गया है। ऐसे कार्यक्रम समाज पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं।

बालमन इस तरह की चीज़ों का अनुसरण करने लगता है। अत: इस तरह की सामग्री पर नियंत्रण स्थापित करने के लिए एक नीति बनाई जाए।
(ख) अनौपचारिक पत्र में यह बताया जा सकता है कि आपने दिल्ली सरकार द्वारा चल रहे 'स्वच्छ दिल्ली, समृद्ध दिल्ली' अभियान में भाग लिया था। इस अभियान के तहत आप अपने मोहल्ले के लोगों से मिले और उन्हें दिल्ली को स्वच्छ बनाने के लिए प्रेरित किया। यह कार्यक्रम अभी कुछ सप्ताह और चलने वाला है अत: मित्र इस अभियान में शामिल होकर एक ज़िम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका निभा सकता/सकती है।

पत्र लेखन -

आरंभ तथा अंत की औपचारिकताएँ -------------------- 1 अंक

विषयवस्तु --- 3 अंक

भाषा शुद्धता -- 1 अंक

सुझाव -

1. पत्रों के प्रकारों के अनुसार प्रारूप को ध्यान में रखकर उत्तर लिखें।
2. पत्र लेखन में अपना उद्देश्य स्पष्ट रूप से लिखें।
3. विषयानुकूल प्रासंगिक और सटीक तर्क/तथ्यों का अपने लेखन में समावेश करें।
4. पत्र लेखन में सुबोधता, संक्षिप्तता, क्रमबद्धता, विनम्रता और सृजनात्मकता हो।
5. व्यक्तिगत पत्र आत्मीयता पूर्ण हों।
6. शब्द सीमा का ध्यान रखें।

प्रश्न 14. (क) आपका नाम सोम श्री/सोमेश हैं। आपने संगीत में स्नातक डिग्री प्राप्त की है। आपके शहर के सांस्कृतिक केंद्र में संगीत प्रशिक्षक का पद रिक्त है। उक्त पद के लिए आवेदन हेतु लगभग 80 शब्दों में अपना एक स्ववृत्त तैयार कीजिए। (1x5=5)

अथवा

(ख) आपका नाम सोम श्री/सोमेश हैं। आपकी शुल्क रसीद में गलती हो गई है। आपने पूरा शुल्क जमा किया था, लेकिन रसीद में राशि कम लिखी गई है। इस गलती को ठीक करवाने का निवेदन करते हुए अपने प्रधानाचार्य को लगभग 80 शब्दों का ई-मेल लिखिए।

(क) 1) अपने सामान्य परिचय से प्रारंभ करते हुए सभी डिग्रियों का वर्णन किया जा सकता है। 2) संगीत में स्नातक डिग्री के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्राप्त हुए पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र का उल्लेख किया जा सकता है।
(ख)

1) ईमेल लेखन में दिनांक के साथ-साथ स्थान का वर्णन किया जा सकता है कि आपने कब और कहाँ शुल्क जमा करवाया था। 2) राशि का सटीक वर्णन किया जा सकता है कि आपने कितने रुपए का भुगतान किया और कितनी राशि रसीद में दर्ज हुई। 3) इस गलती को ठीक करवाने के लिए प्रधानाचार्य से निवेदन किया जा सकता है।

स्ववृत्त अथवा ई-मेल लेखन- प्रारूप -- 1 अंक विषयवस्तु -- 3 अंक भाषा शुद्धता ------------------------------------ 1 अंक सुझाव- 1. स्ववृत्त अथवा ई-मेल लेखन के प्रारूप को ध्यान में रखकर उत्तर लिखें। 2. विषयानुकूल प्रासंगिक और सटीक तर्क/तथ्यों का अपने लेखन में समावेश करें। 3. ई-मेल लेखन में अपना उद्देश्य स्पष्ट रूप से लिखें। 4. स्ववृत्त में अपनी उपलब्धियों और कार्यक्षमताओं को स्पष्ट रूप से लिखें। (इनका उल्लेख अन्य उम्मीदवारों से अलग पहचान दिलाने में समर्थ होता है।) 5. शब्द सीमा का ध्यान रखें।

प्रश्न 15. (क) अपने किसी पसंदीदा स्थान का पर्यटन बढ़ाने के लिए उसकी मुख्य विशेषताओं का उल्लेख करते हुए लगभग 40 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। (1x4=4)

अथवा

(ख) आगामी नव वर्ष की शुभकामनाएँ प्रेषित करते हुए अपने प्रिय मित्र के लिए लगभग 40 शब्दों में एक शुभकामना संदेश लिखिए।

(क) 1) विज्ञापन में अपने पसंदीदा स्थान के मुख्य आकर्षण के साथ-साथ ख़ान-पान का वर्णन किया जा सकता है। 2) किसी प्रमुख इमारत का चित्र बनाया जा सकता है।
(ख) 1) मित्र को नव वर्ष की शुभकामना देते हुए अच्छी लेखनी में संदेश भेजा जा सकता है। 2) दो पंक्तियों का कोई स्लोगन या काव्यांश का प्रयोग किया जा सकता है।

विज्ञापन अथवा संदेश लेखन - रचनात्मक प्रस्तुति ---------------------1 अंक विषयवस्तु ---------------------------- 2 अंक

भाषा शुद्धता -------------------------- 1 अंक

सुझाव-

1. विज्ञापन अथवा संदेश लेखन के प्रारूप को ध्यान में रखकर उत्तर लेखन आरंभ करें।
2. समसामयिक विषयों से परिचित रहें।
3. विषयानुकूल प्रासंगिक और प्रभावशाली लेखन का समावेश करें।
4. विज्ञापन आकर्षक होना चाहिए। विशेष सूचना को रेखांकित करें या मोटे अक्षरों में लिखें।
5. विज्ञापन तथा संदेश को बॉक्स के अंदर लिखें। विज्ञापित वस्तु का नाम सबसे पहले लिखें/संदेश के आरंभ में 'संदेश' शब्द अवश्य लिखें।
6. प्रसंगानुसार कोई स्लोगन, चित्र अथवा काव्यात्मक पंक्तियाँ लिखें।
7. शब्द सीमा का ध्यान रखें।

....